भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-894

गुरूवार, 27 जुलाई, 2023/5 श्रावण, 1945 (शक)

देश में बेरोजगारी

894. **श्री राम नाथ ठाकुरः**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विभिन्न मंत्रालय/सरकारी संस्थान/निकाय/विभागों में गत पाँच वर्षों के दौरान कितनी सरकारी नौकरियां दी गई हैं, वर्ष-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कोरोना के समय लॉक डाउन होने पर बढ़ी बेरोजगारी फिर से कितने प्रतिशत पटरी पर आई है;

(ग) वर्तमान समय में देश में बेरोजगारी दर कितनी है; और

(घ) गत एक दशक में वर्षवार बढ़ी बेरोजगारी दर का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): पिछले पांच वर्षों के दौरान संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों की कुल संख्या इस प्रकार है:

वर्ष	की गई भर्तियां (संख्या में)
2018-19	38,100
2019-20	1,46,999
2020-21	78,555
2021-22	37,904
2022-23	1,61,550

स्रोत: डीओपीटी

इसके साथ-साथ, एसएससी और आरआरबी ने वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में नियुक्ति के लिए 1,03,196 उम्मीदवारों की सिफारिश की है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 और वर्ष 2021-22 के दौरान सामान्य स्थिति आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) क्रमशः 46.8%, 47.3%, 50.9%, 52.6% और 52.9% था। जो दर्शाता है कि देश में रोजगार में वृद्धि की प्रवृत्ति है।

पीएलएफएस से पहले, वर्ष 2010-11 से वर्ष 2016-17 तक श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण (ईयूएस) करवाया जाता था। इन सर्वेक्षणों के परिणामों के अनुसार, पिछले दस वर्षों के दौरान देश में सामान्य स्थिति आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) इस प्रकार हैः

वर्ष	**यूआर (% में)**
ईयूएस, श्रम ब्यूरो	
2012-13	4.0
2013-14	3.4
2015-16	3.7
2016-17	3.9
पीएलएफएस, एमओएसपीआई	
2017-18	6.0
2018-19	5.8
2019-20	4.8
2020-21	4.2
2021-22	4.1

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई और श्रम ब्यूरो

पीएलएफएस और श्रम ब्यूरो की अलग-अलग नमूना पद्धति और कवरेज होने के कारण इन दोनों सर्वेक्षणों के परिणाम तुलनीय नहीं हैं। पीएलएफएस, मौसम संबंधी श्रम बल को कवर करता है क्योंकि यह जुलाई से अगले वर्ष जून (अर्थात् पूरे वर्ष) तक की अवधि के दौरान आयोजित किया जाता है जबकि श्रम ब्यूरो सर्वेक्षण में फील्ड कार्य 7 से 9 महीने तक होता है और इसलिए इसमें पूर्ण मौसम को कवर नहीं किया जाता था। इसके अलावा, इन दोनों सर्वेक्षणों के बीच कई अन्य पद्धतिगत अंतर भी हैं।

पीएलएफएस आंकड़े दर्शाते हैं कि देश में बेरोजगारी दर वर्ष 2017-18 में 6.0% से घटकर वर्ष 2021-22 के दौरान 4.1% हो गई है।

*****